ये सिक्स लेन रहेगा श्रद्धालुओं का 'फास्ट ट्रैक'

- नानाखेड़ा बस स्टैंड से सिंहस्थ क्षेत्र तक सीधी कनेक्टिविटी
- 9 करोड़ 44 लाख से होगा विशेष सड़क निर्माण
- स्टेडियम के सामने बन रही पुलिया

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ-2028 की भव्य तैयारियों के बीच उज्जैन में विकसित हो रहा सिक्स लेन मार्ग श्रद्धालुओं के लिए 'फास्ट ट्रैक कॉरिडोर' साबित होने जा रहा है. मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृहनगर में चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार के तहत नानाखेड़ा गेल चौराहा से शांति पैलेस चौराहे तक बन रही यह सड़क शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएगी.

करीब 9 करोड़ 44 लाख रुपए की लागत से तैयार हो रही इस सिक्स लेन सड़क का निर्माण पिछले तीन माह से जारी है और इसे आगामी एक माह में पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है. सड़क के साथ 5.5 मीटर चौड़ी सर्विस रोड भी दोनों तरफ बनाई जा रही है, जिससे यह मार्ग और अधिक विस्तृत व सुगम नजर आएगा. नवभारत से चर्चा में निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण हिस्से को जोड़ेगा, जहां एक ओर नानाखेड़ा बस स्टैंड स्थित है, वहीं दूसरी ओर वोल्वो-वीडियो कोच बस स्टैंड और कई ट्रेवल एजेंसियां संचालित होती हैं. प्रसिद्ध समुद्र मंथन चौराहा, नानाखेड़ा खेल स्टेडियम और सिंहस्थ बायपास मार्ग भी इसी क्षेत्र में हैं, जिन्हें यह नई सिक्स लेन सड़क सीधे जोड़ेगी. चौपहिया वाहन सहित बस से आने वाले यात्री भी बस स्टैंड पर उतरते ही बिना जाम के सीधे सिंहस्थ क्षेत्र तक पहुंच सकेंगे.

एक माह में काम खत्म करने की कोशिश-नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कार्य समय सीमा में पूर्ण हो, ताकि शहरवासियों को वैकल्पिक संकरी गलियों से होकर गुजरने की परेशानी समाप्त हो सके. फिलहाल निर्माण के कारण लोगों को असुविधा हो रही है, निगम प्रशासन का दावा है कि एक माह में यह मार्ग शुरू होते ही यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदल जाएगी,ताकि बारिश में दिक्कत न हो.

खरीदारी और भ्रमण का लुत्फ

सिर्फ आवागमन ही नहीं, यह मार्ग धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा देगा। आसपास विकसित हो रही वृहद मॉल परियोजनाएं, बाजार और सुविधाएं श्रद्धालुओं के अनुभव को और समृद्ध करेंगी. दर्शन के बाद श्रद्धालु यहां खरीदारी और भ्रमण का आनंद भी ले सकेंगे. हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा लोकार्पित 'नैवेद्य लोक' जैसे फूड जोन इस क्षेत्र को और आकर्षक बना रहे हैं, जहां आने वाले श्रद्धालु खान-पान का भी विशेष अनुभव ले पाएंगे.

पुलिया का भी निर्माण...

इसी सिक्स लेन सड़क पर गेल कम्पनी के ऑफिस के बाहर एक नई पुलिया का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे बसंत विहार, ऋषि नगर और नानाखेड़ा क्षेत्र का जो सीवरेज आता है, उसकी निकासी व्यवस्था बेहतर होगी. मानसून को देखते हुए निर्माण एजेंसी को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं.

एक साथ उठीं आठ अर्थियां, 16 मौतों के बाद जागा प्रशासन

- चारों तरफ पसरा मातम, अंतिम संस्कार में पहुंची केंद्रीय मंत्री

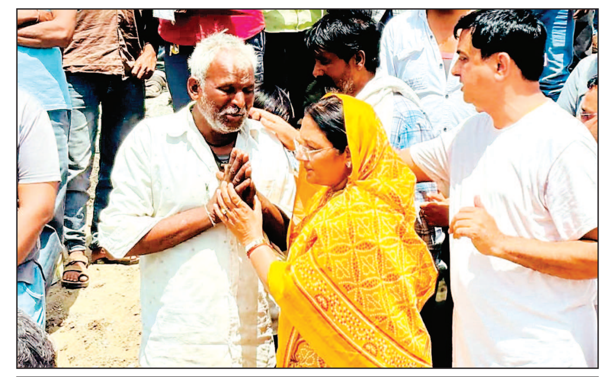

नव भारत न्यूज

इंदौर/धार. इंदौर अहमदाबाद हाईवे पर तिरला क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में 16 लोगों की मौत के बाद गांवों में शोक की लहर है. नयापुरा में एक ही परिवार के 8 लोगों की अर्थियां एक साथ उठीं, जबकि अन्य मृतकों का अंतिम संस्कार अलग अलग गांवों में किया. घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया और हादसे के कारणों की जांच शुरू की गई. अंतिम संस्कार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री भी पहुंचीं और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी.

गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांवों में पहुंचे तो हर तरफ मातम पसरा था. नयापुरा में रहने वाले डाबर परिवार के 8 सदस्यों की अर्थियां एक साथ उठीं और उन्हें एक ही चिता पर अंतिम विदाई दी गई, जबकि एक अन्य सदस्य ने इंदौर में इलाज के दौरान दम तोड़ा. सेमलीपुरा में एक ही परिवार की चार महिलाओं मां, बहन, बेटी और भाभी का एक साथ अंतिम संस्कार हुआ. रामपुरा में भी दो मृतकों को अंतिम विदाई दी गई. यह मंजर देखकर पूरा क्षेत्र शोक में डूब गया. मौके का निरीक्षण करने पहुंचे डीआईजी ग्रामीण मनोज कुमार सिंह ने प्रारंभिक जांच में ओवरस्पीडिंग के साथ सड़क इंजीनियरिंग की खामियां और नेशनल हाईवे अथॉरिटी की लापरवाही की बात कही. मौके पर न साइन बोर्ड थे, न ही चेतावनी संकेत. अधिकारियों ने संबंधित विभाग को सुधार के निर्देश देने की बात कही है. अंतिम संस्कार के दौरान केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी नयापुरा, सेमलीपुरा और रामपुरा पहुंचीं. उन्होंने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर श्रद्धांजलि दी और हालात पर चिंता जताई.

विभिन्न अस्पताल में चल रहा इलाज

हादसे में घायल अन्य मजदूरों का इलाज धार और इंदौर के विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है. जबकि कई घायलों को अभी तक अपने परिजनों की मौत की जानकारी दी गई है. यहां के जिला अस्पताल में 9, विनायक अस्पताल में 3, महाजन अस्पताल में 4 और इंदौर के एक निजी अस्पताल में एक गंभीर घायल का उपचार अब भी चल रहा है.

सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक-घटना के बाद सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक भी हुई, जिसमें डीआईजी मनोज कुमार सिंह, एसपी मयंक अवस्थी और प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे. उधर, कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने और ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है.

बुधवार रात हुआ था हादसा-ज्ञात हो कि बुधवार रात चिकल्यान फाटे के पास तेज रफ्तार पिकअप का टायर फटने से वह स्कॉर्पियो से टकरा गई थी, जिसमें कुल 16 लोगों की मौत हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप में सवार मजदूर सड़क पर जा गिरे. वाहन में 44 मजदूर सवार थे, जो ग्राम लेबड़ से मजदूरी कर लौट रहे थे. हादसे में नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों की मौत हुई.

स्वगणना का समय पूरा, आज से जनगणना शुरू

आजादी के बाद 8वीं जनगणना

1 मार्च 2027 में जारी होगा डेटा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 30 अप्रैल. राजधानी में गुरुवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में जनगणना 2027 की रूपरेखा साझा की गई. प्रेसवार्ता में जनगणना निदेशक कार्तिकया गोयल ने बताया 1 मई से जनगणना के प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है.

इसके तहत प्रगणक 1 मई से 30 मई के बीच प्रत्येक घर जाकर मकान का विवरण और उसमें रहने वाले परिवारों की संख्या दर्ज करेंगें. बता दें जनगणना 2027 के पहले चरण में केवल मकानसूचीकरण और परिवारों की गणना की जायेगी. प्रेसवार्ता में जनगणना निदेशक कार्तिकया गोयल, अपर सचिव मनीषा सेतिया और डॉ विजय कुमार मौजूद रहे. निदेशक गोयल ने बताया कि प्रगणक जनगणना से संबंध में कुल 33 निर्धारित प्रश्नों पर लोगो से जानकारी एकत्र करेंगे. वहीं अपर सचिव मनीषा सेतिया ने बताया कि पहली बार जनगणना को डिजिटल स्वरूप देते हुये लोगों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने का विकल्प दिया गया था. जिसमें करीब 5 लाख 81 हजार 152 परिवारों ने इस विकल्प के जरिये जानकारी दर्ज की है. उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने ऑनलाइन जानकारी भरी है उनके घर प्रगणक केवल जानकारी के सत्यापन प्रक्रिया पूरी करेंगें.

जनगणना में जानकारी देने से घबराएं नहीं

आयुक्त गोयल ने बताया कि जनगणना से प्राप्त की गई पूर्ण रूप से गोपनीय रहेगी. यह जानकारी केवल सांख्यिकीय विश्लेषण और विकास योजनाओं के निर्माण कार्यों में उपयोग के लिये एकत्र की जा रही है. उन्होंने बताया कि इस जानकारी के तहत किसी भी तरह के स्वत्त की कटौती भी नहीं की जा सकती. इसलिये किसी भी व्यक्ति को जानकारी देने में घबराने की आवश्यक्ता नहीं है.

गरज चमक के साथ बदल रहा मौसम का मिजाज

प्रदेश में छिटपुट बारिश से मिली गर्मी में राहत

भोपाल, 30 अप्रैल. भोपाल सहित पूरे मध्यप्रदेश में मौसम का रुख तेजी से बदल रहा है. गुरुवार दोपहर राजधानी भोपाल सहित अन्य जिलों में हल्की फुहारों ने मौसम में बदलाव कर 2 से 3 डिग्री तक पारे को गिराकर गर्मी से राहत दे दी है.

वहीं मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दिनों में तेज आंधी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना भी जताई है. मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में प्रदेश के कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है. वहीं कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. जिसमें भिंड, दतिया, रतनगढ़, पश्चिम शिवपुरी, ग्वालियर, एपी, पन्ना, टीआर, कटनी, जबलपुर, भेड़ाघाट, सिवनी में मध्यम गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने तथा 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने,ओले गिरने की संभावना है.

विभाग के अनुसार सतना,चित्रकूट, मैहर, बालाघाट, डिंडोरी, भोपाल, मुरैना, नरसिंहपुर, खजुराहो, विदिशा, टीकमगढ़, रायसेन, रीवा और सागर में रात में हल्की गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने मुरैना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, जबलपुर, बालाघाट, सिवनी, मंडला और आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी और बारिश का दौर देखने को मिल सकता है.

विशेषज्ञों के अनुसार दिन में तेज गर्मी और दोपहर बाद अचानक बदला मौसम प्री मानसून गतिविधियों का संकेत है और आने वाले दिनों में इसी तरह का उतार चढ़ाव में 1 मई से 4 मई तक प्रदेश के अलग अलग हिस्सों में कहीं कहीं बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रहेगा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60